बिहार में भोजपुर-रोहतास में चावल मिलों द्वारा फैलाया गया प्रदूषण

1217. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भोजपुर-रोहतास (बिहार) में चावल मिलें बहुत प्रदूषण फैला रही हैं, जो आस-पास के क्षेत्रों के व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार इन मिलों के विरुद्ध क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है और कब तक ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री कमल नाथ) : (क) और (ख) बिहार के भोजपुर-रोहतास जिलों में चावल मिलें लघु उद्योग इकाइयां हैं, जो वर्ष के दौरान अधिकांशत: सीमित अवधि के लिए लिए चलती हैं । इन इकाइयों के बहिस्राव से जल प्रदूषण फैलता है । बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इन दो जिलों में प्रदूषण फैलाने वाली 27 चावल मिलों को अभिनिर्धारित किया है । प्रदूषण नियंत्रण के लिए राज्य सरकारों के परामर्श से एक समयबद्ध कार्य योजना तैयार की गई है और एक अधिसूचना जारी की गई है, जिसके तहत प्रदूषण इकाइयों को 31 दिसम्बर, 1991 तक निर्धारित मानकों का अनुपालन करना अपेक्षित है ।

Export of farm products

1218. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) what are the details of the farm products being exported at present; ara

(b) the steps being taken to in crease the export of these products?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRl SALMAN KHURSHID): The important farm products being exported from India at present are cotton, spices, cashew kernels, tobacco; cereals, fruits and vegetables etc.

(b) To step up export of these pro ducts Government provides various incentives such as REP licences, helps buyer-seller meets, participation in overseas fairs, disseminates market intelligence to the exporters through the various Commodity Boards and the Export Promotion Councils. The recent exchange rate adjustments ond the enlarged REP Scheme would also help to enhance the exports of Farm products.

Panic among garment exporters due to abolition of CCS

1219. SHRI V. NARAYANASAMY: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Gov ernment's decision to abolish all Cash Compensatory Support Schemes has caused panic among garment ex porters, as reported in the news item appearing in the Business Times (Times of India) of the 5th July, .1991 under the' heading 'Jarment Exports devaluation, CCS withdrawal to earning Trade" ;

(b) if so, what steps Government propose to take in this regard;

(c) whether the garment exPort industry has been adversely affected by the recent devaluation oi Indian rupee; and

(d) if so, what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE (IN-DEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) to (d) Government has noted the contents of the press report referred to in the

Question. While some garment exporters have expressed their reservations about the suspension of CCS Government feels that the recent exchange rate adjustments of the Rupee vis-a-vis major convertible currencies as well as the new trade policy which provides for restructured and enhanced REP licence will add to our export competitiveness and have a positive impact on garment exports as a whole.

केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के नए प्रकाशन

1220. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय ने कितने नए प्रकाशन निकाले ;

(ख) उक्त अवधि में उनकी बिक्री कितनी थी ; और

(ग) केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के पास इस समय पड़ी पुस्तकों का मूल्य कितना है और उनकी बिक्री के लिए क्या प्रबंध किए जा रहे हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा प्रकाशित प्रकाशनों की कुल संख्या 35 है ।

(ख) केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के प्रकाशनों की बिक्री की देखभाल शहरी विकास मंत्रालय (प्रकाशन विभाग) द्वारा की जाती है । तथापि, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय भी, प्रकाशन विभाग के बिक्री एजेंट के रूप में कार्य करता है और पिछले तीन वर्षों के दौरान, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा 1,67,907 रुपये की राशि का कुल बिक्री की गयी ।

(ग) केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के पास लगभग 80,000 रु. के मूल्य की पुस्तकें पड़ी हुई हैं । इनको पूरे देश में विज्ञापनों, प्रदर्शनियों को आयोजित करके और विभिन्न सेमिनारों, सम्मेलनों और साथ ही व्यक्तिगत सम्पर्कों द्वारा प्रचार संबंधी सामग्रियों के वितरण के माध्यम से बिक्री करने के भरसक प्रयत्न किए जा रहे हैं ।

Pollution in Western Coalfields Limited

1221. SHRI PRAKASH YASHWANT AMBEDKAR: Will the Min? ister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) what is the level of pollution in the Western Coalfields Limited Colliery No. 3 near Chandrapur city in Maharashtra; and

(b) what action Government propose to take to control the pollution?

THE MINISTER OF STATE (IN DEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) According to the report of the Maharashtra Pollution Control Board, the level of air emissions in the Western Coal Fields Limited, Colliery No. 3, near Chandrapur city in Maharashtra is within the prescribed amfcient air quality standards.

(b) Does not arise.

Replacing Jute Corporation of india by a Co-operative

1222. SHRI MOHAMMED AMIN: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideratiion of Government to replace the Jute Corporation oi India by a Co-operative; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE (IN-DEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHR] ASHOK GEHLOT): (a) No, Sir.